ईमाम हुसैन (अ:स) की ज़्यारत - 1 रजब, 15 रजब और 15 शाबान

यह ज़्यारत 1 रजब, 15 रजब और 15 शाबान के लिये मख्सूस है! ईमाम जाफ़र अल-सादीक़ से मंसूब है की जो शख्स ईस ज़्यारत क़ो **1 रजब** क़ो पढ़ेगा तो अल्लाह उसके सारे गुनाहों क़ो माफ़ का देगा! इबने अबी नसर से मंसूब है की जब उनहोंने ईमाम अली रज़ा (अ:स) से पूछा की ईमाम हुसैन की ज़्यारत पढ़ने/करने का सबसे अच्छा वक़्त कौन है तो उन्होंने जवाब दिया : 15 रजब और 15 शाबान

शेख़ मुफ़ीद (अ:र) और शेख़ इब्ने तावूस (र:अ) ने बताया है की यह ज़्यारत 1 रजब और 15 शाबान से मंसूब है, लेकिन शहीद (र:अ) ने इसे 1 रजब की रात, 15 रजब की रात और 15 शाबान की रात की लिये मख्सूस बताया है! इनके अनुसार ईस ज़्यारत क़ो पढ़ने के 6 मख्सूस मौक़े हैं!

ईस ज़्यारत क़ो पढ़ने का तरीक़ा यह है की : जब आप ईस ज़्यारत क़ो ईन मख्सूस मौकों पर पढ़ना चाहते हैं तो पहले ग़ुस्ल करें, पाक साफ़ लिबास पहन कर रौज़े पर क़िबला की तरफ़ मुंह करके खड़े हो कर पवित्र पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद (स:अ:अव:व), हज़रत अली (अ:स), हज़रत फ़ातिमा (स:अ), ईमाम हसन (अ:स) ईमाम हुसैन (अ:स) और दुसरे इमामों (अ:स) पर सलाम भेजें, इसके बाद नीचे लिखी हुई दुआ क़ो पढ़ें (जो रौज़े में जाने की अनुमति के लिये है), फिर रौज़े में जाएँ और ज़री के नज़दीक खड़े हो कर 100 मर्तबा "**अल्लाहो अकबर**" कहें, फिर पढ़ें!

अस्सलामु अलयका यबना रसूलिल'लाह
अस्सलामु अलयका यबना ख़ा'तिमिन नबी'ईन
अस्सलामु अलयका यबना सैय'यिदिल मुरसलीन
अस्सलामु अलयका यबना सैय'यिदिल वसी'ईन
अस्सलामु अलयका या अबा अब्दिल'लाह
अस्सलामु अलयका या हुसैन'अब्ना अलीय
अस्सलामु अलयका यबना फ़ाति'मता सैयी'दती निसा-इल आलामीन
अस्सलामु अलयका या वलियल'लाह वब्ना वली'यिही
अस्सलामु अलयका या सफ़िया'अल्लाह वब्ना सफ़ी'इही
अस्सलामु अलयका या हुज'जतल-लाह वब्ना हुज'जातिही
अस्सलामु अलयका या हबीबल'लाह वब्ना हबीबिही
अस्सलामु अलयका या सफीरल'लाह वब्ना सफीरिही
अस्सलामु अलयका या ख़ा'ज़िनल किताबिल मस्तूर
अस्सलामु अलयका या वारी'सत तौराती वल इंजील वज़ ज़बूर
अस्सलामु अलयका या अमीनर रहमान
अस्सलामु अलयका या शरीकल क़ुर'आन
अस्सलामु अलयका या अमूदद दीन
अस्सलामु अलयका या बाबा हिक'मता रब्बिल आलामीन
अस्सलामु अलयका या बाबा ह'इत'त'अतिल-लज़ी मन दख़'अलहु काना मिनल आमिनीन
अस्सलामु अलयका या अ'य्बता इल'मिललाह
अस्सलामु अलयका या मौज़ी'इ-अ" सिर्रिल'लाह
अस्सलामु अलयका या सारल'लाह वब्ना सारिही वल वित्रल मौतूर
अस्सलामु अलयका

اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَابْنَ رَسُوْلِ اللّٰهِ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَابْنَ
خَاتَمِ النَّبِيِّيْنَ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَابْنَ سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَابْنَ سَيِّدِ الْوَصِيِّيْنَ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ
يَا اَبَا عَبْدِ اللّٰهِ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا حُسَيْنَ بْنَ عَلِيٍّ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَابْنَ فَاطِمَةَ سَيِّدَةِ نِسَآءِ الْعَالَمِيْنَ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا وَلِيَّ اللّٰهِ وَ ابْنَ وَلِيِّهٖ اَلسَّلَامُ
عَلَيْكَ يَا صَفِيَّ اللّٰهِ وَ ابْنَ صَفِيِّهٖ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا
حُجَّةَ اللّٰهِ وَ ابْنَ حُجَّتِهٖ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا حَبِيْبَ
اللّٰهِ وَ ابْنَ حَبِيْبِهٖ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا سَفِيْرَ اللّٰهِ وَ ابْنَ
سَفِيْرِهٖ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا خَازِنَ الْكِتَابِ الْمَسْطُوْرِ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا وَارِثَ التَّوْرٰةِ وَ الْاِنْجِيْلِ وَ الزَّبُوْرِ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا اَمِيْنَ الرَّحْمٰنِ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا
شَرِيْكَ الْقُرْاٰنِ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا عَمُوْدَ الدِّيْنِ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا بَابَ حِكْمَةِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا بَابَ حِطَّةِ الَّذِيْ مَنْ دَخَلَهٗ كَانَ
مِنَ الْاٰمِنِيْنَ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا عَيْبَةَ عِلْمِ اللّٰهِ
اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا مَوْضِعَ سِرِّ اللّٰهِ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا
ثَارَ اللّٰهِ وَ ابْنَ ثَارِهٖ وَ الْوِتْرَ الْمَوْتُوْرَ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ

islamInHindi.org

व अलल अर्वाह'इल'लती ह'अल्लत बी'फ़िना-इका व अना'ख़त बिरह 'लिकबी-अबी अन्ता व उम्मी व नफ़सी या अबा अब'दिल्लाह लक़द अज़ु-मतिल मुसीबतु व जल'लातिर रज़ी'यतु बिका अलय्ना व अला जमी-इ'अहलिल इस्लाम फल-अनल'लाहू उम्मातन अस्ससत असासज़' ज़ुल्मी वल जौरी अलय्कुम अहलाल बैत व ल-अनल'लाहू उम्मतन दफ़ा -अत'कुम अन मक़ा'मिका व अज़ालत'कुम अनमराती' बिकुमुल लती रत्ता'बकुमुल'लाहू फ़ीहा बी-अबी अन्ता व उमी व नफ़सी या अबा अब्दिल'लाह अशहदु लक़द'इक़-श'अ'रात लिदिमा-इकुम अज़'इल्लातुल अर्शी मा-अ' अज़'इल्लातिल ख़ला'-इक़ व बकत' कुमुस समा'-उ वल आरज़ू व सुक'कानुल जिनानी वल बर्री वल बहर सल्लल'लाहू अलयका अ'ददा मा फ़ी इल्मिल'लाह लब'बयका दा-इ'यल' लाह इन काना लम युजिबका बदानी इंदस-तिगा'सतिका व लिसानी इंदस-तीनस' आरिका फ़क़द अजाबका क़ल्बी व सम-ए'ए व बस'अरी सुभाना रब'बिना इन काना वा'-दू रब'बिना लामफ़- ओ'ओलन अशहदु अन्नका तुह्लून ताहिरून मुतः'हरुन मिन त'उहरिन त'आहिरिन मुतः'हरिन त'अहुर्ता व त'अहुरत बिकल बिल'लदू व त'अहुरत अर'ज़ुं अ न्ता बिहा व त'अहुरा ह'अरमुका अशहदु अन्नका क़द अमर ता बिल किस्ती वल अदल व दा-वता इल्य'हिमा व

وَ عَلَى الْاَرْوَاحِ الَّتِىْ حَلَّتْ بِفِنَآئِكَ وَ اَنَاخَتْ بِرَحْلِكَ بِاَبِىْ اَنْتَ وَ اُمِّىْ وَ نَفْسِىْ يَا اَبَا عَبْدِ اللّٰهِ لَقَدْ عَظُمَتِ الْمُصِيْبَةُ وَ جَلَّتِ الرَّزِيَّةُ بِكَ عَلَيْنَا وَ عَلَى جَمِيْعِ اَهْلِ الْاِسْلَامِ فَلَعَنَ اللّٰهُ اُمَّةً اَسَّسَتْ اَسَاسَ الظُّلْمِ وَ الْجَوْرِ عَلَيْكُمْ اَهْلَ الْبَيْتِ وَ لَعَنَ اللّٰهُ اُمَّةً دَفَعَتْكُمْ عَنْ مَقَامِكُمْ وَ اَزَالَتْكُمْ عَنْ مَرَاتِبِكُمُ الَّتِىْ رَتَّبَكُمُ اللّٰهُ فِيْهَا بِاَبِىْ اَنْتَ وَ اُمِّىْ وَ نَفْسِىْ يَا اَبَا عَبْدِ اللّٰهِ اَشْهَدُ لَقَدِ اقْشَعَرَّتْ لِدِمَآئِكُمْ اَظِلَّةُ الْعَرْشِ مَعَ اَظِلَّةِ الْخَلَآئِقِ وَ بَكَتْكُمُ السَّمَآءُ وَ الْاَرْضُ وَ سُكَّانُ الْجِنَانِ وَ الْبَرِّ وَ الْبَحْرِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْكَ عَدَدَ مَا فِىْ عِلْمِ اللّٰهِ لَبَّيْكَ دَاعِىَ اللّٰهِ اِنْ كَانَ لَمْ يُجِبْكَ بَدَنِىْ عِنْدَ اسْتِغَاثَتِكَ وَ لِسَانِىْ عِنْدَ اسْتِنْصَارِكَ فَقَدْ اَجَابَكَ قَلْبِىْ وَ سَمْعِىْ وَ بَصَرِىْ سُبْحَانَ رَبِّنَا اِنْ كَانَ وَعْدُ رَبِّنَا لَمَفْعُوْلاً اَشْهَدُ اَنَّكَ طُهْرٌ طَاهِرٌ مُطَهَّرٌ مِنْ طُهْرٍ طَاهِرٍ مُطَهَّرٍ طَهُرْتَ وَ طَهُرَتْ بِكَ الْبِلَادُ وَ طَهُرَتْ اَرْضٌ اَنْتَ بِهَا وَ طَهُرَ حَرَمُكَ اَشْهَدُ اَنَّكَ قَدْ اَمَرْتَ بِالْقِسْطِ وَ الْعَدْلِ وَ دَعَوْتَ اِلَيْهِمَا وَ

IslamInHindi.org

अन्नका सादी'कुं सिद'दीक सदक़'ता फीमा दावता इलय्ही व अन्नका सारुल'लाही फ़िल अर्ज़" व अशहदु अन्नका क़द बल'लग़'ता अनिल'लाहीव अन जद'दिका रसूलिल'लाह व अन अबीका अमीरिल मूमिनीन व अन अखी'कल हसन व नसह'ता जाहद'ता फ़ी सबीलिल'लाह व अबद'तहु मुख्लीस' अन ह'अत्ता अताकल यक़ीन फ़'जज़ाकल' लाहू खैरा जज़ा-इस साबी'कीं व सल्लल'लाहू अलयका व सल'लमा तसलीमा अल्लाहुम्मा सल्ली अला मुहम्मदीन व आली मुहम्मद व सल्ली अलल हुसैनिल मज़्लूमिश शाहीदिर रशीद क़तीलिल अबा' राती व असीरिल कुरुबात सलातननामियतन ज़ाकियतन मुबा'रकतन यस'-अ'दू अव्वालुहा व ला यन-'फ़दू खिरुहा अफ़'ज़ला मा सल'लय्ता अला अह'अदीन मिन औलादी अमबिया'-इकल मुरसलीन या इलाहल आलमीन	اَنَّكَ صَادِقٌ صِدِّيْقٌ صَدَّقْتَ فِيْمَا دَعَوْتَ اِلَيْهِ وَ اَنَّكَ ثَارُ اللّٰهِ فِىْ الْاَرْضِ وَ اَشْهَدُ اَنَّكَ قَدْ بَلَّغْتَ عَنِ اللّٰهِ وَ عَنْ جَدِّكَ رَسُوْلِ اللّٰهِ وَ عَنْ اَبِيْكَ اَمِيْرِ الْمُؤْمِنِيْنَ وَ عَنْ اَخِيْكَ الْحَسَنِ وَ نَصَحْتَ وَ جَاهَدْتَ فِىْ سَبِيْلِ اللّٰهِ وَ عَبَدْتَهٗ مُخْلِصاً حَتّٰى اَتٰيكَ الْيَقِيْنُ فَجَزَاكَ اللّٰهُ خَيْرَ جَزَآءِ السَّابِقِيْنَ وَ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْكَ وَ سَلَّمَ تَسْلِيْماً اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَّ اٰلِ مُحَمَّدٍ وَّ صَلِّ عَلَى الْحُسَيْنِ الْمَظْلُوْمِ الشَّهِيْدِ الرَّشِيْدِ قَتِيْلِ الْعَبَرَاتِ وَ اَسِيْرِ الْكُرُبَاتِ صَلٰوةً نَامِيَةً زَاكِيَةً مُبَارَكَةً يَّصْعَدُ اَوَّلُهَا وَ لَا يَنْفَدُ اٰخِرُهَا اَفْضَلَ مَا صَلَّيْتَ عَلٰى اَحَدٍ مِّنْ اَوْلَادِ اَنْبِيَآئِكَ الْمُرْسَلِيْنَ يَا اِلٰهَ الْعٰلَمِيْنَ۔

IslamInHindi.org

अब ज़री क़ो चूमें और पहले अपना दाहिना गाल ज़री पर रखें फिर बायाँ गाल रखें, फिर ज़री के चारों तरफ़ घूमें और चूमें! शेख़ मुफ़ीद (अ:र) फ़रमाते हैं : यहाँ के बाद अली बिन हिस्सें (अ:स) के रौज़े पर जाएँ और उनके रौज़े पर खड़े होकर पढ़ें:

अस'सलामो अलैका अय्योहल सिद'दीक़ो अत'तैय'एबो अज़-ज़कियो अल-हबीबो अल-मुक़र'रबो व अब्ना रा'याहानाते रसूलिल'लाहे अस'सलामो अलैका मिन शहीदीन मोह'तसेबिन व रहमतुल लाहे व बरकातोहू मा अकरमा मक़ा'मका व अश'रफ़ा मून'क़लाबका अश'हदों लक़द शकरल'लाहो सई'यका व अज'ज़ला सवाबका व अल-हक़ा'का बिज़'ज़िर्वातिल आलियते व हय्सो अस-शराफ़ो कुल्लो शराफ़े व फ़िल ग़ोराफ़िस सामियते कमा मनना अलैका मिन क़ब्लो व जा'अलाका मिन अहलिल'बैतिल लज़ीना अज़'हबल लाहो अन्हुमुर रिज्सा व तह'हरोहुम तत'हीरा सलावातुल लाहे अलीका व रहमतुल लाहे व बरकातोहू व रिज़वानोहू फ़ा'अश-फ़ा-अ अय्योहस सैय्यदोत ताहेरो इला रब'बेका फ़ी हत'ते अल-इस्क़ाले अन-ज़हरी व तख़फ़ी'फ़ेहा अन्नी व अहमा ज़ुल्ली ख़ुज़ु-ए-ई लका व लील सैय्येदे आबीका सल्लल'लाहो अलैकोमा

पवित्र क़ब्र से अपने बदन का मसः करें और कहें:

ज़ादल'लाहो फ़ी शराफ़े'कुम फ़िल आखेरते कमा शर्रा'फ़'कुम फ़िद'दुन्या व अस'अदा कुम कमा अस'अदा बेकुम व अश'हदों अन्नाकुम अ-अ'लामो अद-देने व नोजूमो अल-आलामीना व़स सलामो अलैकुम व रहमतुल लाहे व बरकातोहू

इसके बाद अपना ध्यान कर्बला के दुसरे शहीदों पर लगायें और कहें :

अस'सलामो अलैकुम या अन्सारल'लाहे व अन्सारा रसूलेही व अन्सारा अली'यिब्ने अबी तालिबिन व नसारा फ़ातेमता व अन्सारल हसने वल हुसैने व अन्सारल इस्लामे अश'हदों अन्नाकुम लक़द नसाह' हतुम लील'लाहे व जहादतुम फ़ी सबीलेही फ़ा'जज़ाकुमो'ल लाहो अनिल इस्लामे व अह्लेही अफ़'ज़लाल जज़ा'ए फ़ुज़'तुम वल'लाहे फौज़ान अज़ीमा या लै-तनी कुन्तो मा'अकुम फ़ा'अफ़ुज़ो फौज़ान अज़ीमा अश'हदों अन्नाकुम अहया'ओ इन्दा रब'बेकुम तुर'ज़क़ूना अश'हदों अन्ना'कुमुश शोहदाओ व़स' सोअदा'ओ व अन्नाकुमो'ल फ़ाए'ज़ूना फ़ी दराजाते अल-ओला'ई व़स सलामो अलैकुम व रहमतुल लाहे व बरकातोहू

इसके बाद वापस आयें, और ईमाम (अ:स) के क़ब्र के सिरहाने खड़े होकर 2 रक्'अत नमाज़े ज़्यारत (नमाज़े फ़ज्र की तरह) पढ़ें और अपने लिये और दोस्सरे मोमिनीन व मोमिनात के लिये दुआ करें!

किताब अल-बलादुल आमीन में शेख़ अल-काफ़'अमी, ईमाम जाफ़र अल-सादीक़ (अ:स) से मंसूब करके फ़रमाते हैं की ईमाम हुसैन (अ:स) के रौज़े पर रूक कर यह दुआ पढ़े!:

अलहम्दो लिल्लाहे अल-अली'य्यी अल अज़ीम	أَلْحَمْدُ للهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيمِ
व़स'सलामु अलय्का अय्युहा अल-अब्दु अल'सालेहो अल'ज़की'य्यी	والسَّلامُ عَلَيْكَ أَيُّها الْعَبْدُ الصَّالِحُ الزَّكِيُّ
यौमी फ़ि इलैका रिबुनी'तुक़र लका दतन मिन्नी'उका शहा'उदी अतिका 'शफ़ा	أُودِعُكَ شَهادَةً مِنِّي لَكَ تُقَرِّبُني إِلَيْكَ فِي يَوْمِ شَفاعَتِكَ،
अश'हदू अन्नका क़ुतिला व लम तमुत	أَشْهَدُ أَنَّكَ قُتِلْتَ وَلَمْ تَمُتْ
बल बरजा'ई हयातिका हयियत क़ुलुबू शी'अतिका	بَلْ برَجاءِ حَياتِكَ حَيِيَتْ قُلُوبُ شيعَتِكَ،
इलैका तालिबुना'अल या-ए नुरिका अहतदा'व बिज़	وَبضِياءِ نُورِكَ اهْتَدَى الطَّالِبُونَ إِلَيْكَ،
व अश'हदों अन्नका नुरू अल्लाहि अल'लज़ी लम यो'तुफ़ा व ल यो'तूफ़ा अबादन	وَأَشْهَدُ أَنَّكَ نُورُ اللهِ الَّذي لَمْ يُطفَأْ وَلا يُطفَأُ أَبَداً،
व अन्नका वज्हू अल्लाहि अल'लज़ी लम यहलिक वला युहलाकु अबादन	وَأَنَّكَ وَجْهُ اللهِ الَّذي لَمْ يَهْلِكْ وَلا يُهْلَكُ أَبَداً،
व अश'हदू अन्ना हज़िही अत'तर्बता तुर्बतोका	وَأَشْهَدُ أَنَّ هذِهِ التُّرْبَةَ تُرْبَتُكَ،
अल-हरामा हर्मुका व हाज़ा	وَهذا الْحَرَمَ حَرَمُكَ،

व हाज़ा अल मसरा'अ मसरा'उ बदानिका	وَهذا الْمَصْرَعَ مَصْرَعُ بَدَنِكَ
ला ज़लीला वल'लाहू मु'इज्ज़ुका	لا ذَليلَ واللهِ مُعِزُّكَ
व ला मग़'लूबा वल'लाहे नासेरोका	وَلا مَغْلُوبَ واللهِ ناصِرُكَ،
हज़ेही शहा'दतून ली'इनदका इला युमी क़ब्री रूही बी'हसरतिका	هذِهِ شَهادَةٌ لي عِنْدَكَ إلى يَوْمَ قَبْضِ روُحي بحَضْرَتِكَ،
व अस'सलामु अलैका व रहमतुल'लाही व बराकातोहू	والسَّلامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكاتُهُ.

हमें लिखें- WWW.IslamInHindi.Org

वेब-साईट पर जाएँ WWW.IslamInHindi.Org http://hindi.duas.org